2. पटलीपुत्रवैभवम्

[बिहारराज्यस्य राजधानीनगरं पाटलिपुत्रं सर्वेषु कालेषु महत्वमधारयत् । अस्येतिहासः सार्धसहस्रद्वयवर्षपरिमितः वर्तते। अत्र धार्मिकक्षेत्रं राजनितिक्षेत्रम् उद्योगक्षेत्रं च विशेषेण ध्यानाकर्षकम् । वैदेशिकाः यात्रिणः मेगास्थनीज फाह्यान हुयेनसांग -इत्सिंगप्रभृतयः पाटलिपुत्रस्य वर्णनं स्व स्व संस्मरणग्रन्थेषु चक्रुः । पाठेऽस्मिन् पाटलिपुत्रवैभवस्य सामान्यः परिचयो वर्तते ।]

(बिहार राज्य की राजधानी नगर पटना सभी कालों में महत्व धारण किया या महत्वपूर्ण रहा। इसका इतिहास लगभग 2500 वर्ष पुरानी है। यहां धार्मिक , राजनीतिक और उद्योग क्षेत्र पर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया। विदेशी यात्रियों मेगास्थनीज, फाह्यान, ह्वयेसांग और इत्सिंग इत्यादि पटना का वर्णन अपने-अपने संस्मरण ग्रन्थों में किये हैं। इस पाठ में पटना के वैभव का सामान्य परिचय हैं ।]

प्राचीनेषु भारतीयेषु नगरेष्वन्यतमं पाटलिपुत्रमनुगङ्गं वसद्विचित्रं महानगरं बभूव । तद्विषये दामोदरगुप्तो नाम कविः कुट्टनीमताख्ये काव्ये कथयति-

अस्ति महीतलतिलकं सरस्वतीकुलगृहं महानगरम् । नाम्ना पाटलिपुत्रं परिभूतपुरन्दरस्थानम् ।।

प्राचीन भारतीय नगरों में गंगा नदी के किनारे बसा पटना एक विचित्र महानगर हुए। इसके विषय में दामोदर गुप्त नामक महाकवि कुट्टनीमताख्य काव्य में कहते हैं, कि "पृथ्वी का तिलक और विद्वानों का निजावास पाटलिपुत्र नामक महानगर स्वर्ग के जैसा परिपूर्ण स्थान है।"

इतिहासे श्रूयते यत् गङ्गायास्तीरे बुद्धकाले पाटलिग्रामः स्थितः आसीत् । यत्र च भगवान् बुद्धः बहुकृत्वः समागतः। तेन कथितमासीत् यद् ग्रामोऽयं महानगरं भविष्यति किन्तु कलहस्य अग्निदाहस्य जलपूरस्य च भयात् सर्वदाक्रान्तं भविष्यति । कालान्तरेण पाटलिग्रामः एव पाटलिपुत्रमिति कथितः । चन्द्रगुप्तमौर्यस्य काले अस्य नगरस्य शोभा रक्षाव्यवस्था च अत्युत्कृष्टासीदिति यूनानराजदूतः मेगास्थनीजः स्वसंस्मरणेषु निरूपयति । अस्य नगरस्य वैभवं प्रियदर्शिनः अशोकस्य समये सुतरां समृद्धम् ।

इतिहास में सुने जाते हैं, कि गंगा के किनारे भगवान बुद्ध के समय में पाटलिग्राम स्थित था। और यहां भगवान बुद्ध अनेक बार आए । उनके द्वारा कहा गया था, कि यह ग्राम महानगर होगी लेकिन

कलह, अग्निदाह और बाढ़ के भय से हमेशा घिरी रहेगी। समय के बदलने से पाटलीग्राम ही (पटना) या पाटलिपुत्र ऐसा कहलाया। चंद्रगुप्तमौर्य के समय में इस नगर का शोभा और रक्षाव्यवस्था बहुत अच्छी थी यूनान के राजदूत मेगास्थनीज अपने स्मरण ग्रन्थों में लिखा है। इस नगर का वैभव और देखने में प्रिय सम्राट अशोक के समय में और अधिक समृद्ध था ।

बहुकालं पाटलिपुत्रस्य प्राचीना सरस्वतीपरम्परा प्रावर्तत इति राजशेखरः स्वकाव्यमीमांसानामके कविशिक्षाप्रमुखे ग्रन्थे सादरं स्मरति ।

बहुत हाल तक पटना का सरस्वती परंपरा चलती रही, ऐसा राजशेखर अपने काव्यमीमांसा नामक कवि शिक्षा प्रमुख ग्रंथ में आदर सहित स्मरण करते हैं।

अत्रोपवर्षवर्षाविह पाणिनिपिङ्गलाविह व्याडिः । वररूचिपतञ्जली इह परीक्षिताः ख्यातिमुपजग्मुः ।।

यहां वर्ष - उपवर्ष महर्षि पाणिनी, पिंगल, व्याडि, वररूचि, पतंजलि आदि विद्वानों ने अध्ययन कर संसार में ख्याति (यश) अर्जित किये ।

कतिपयेषु प्राचीनसंस्कृतग्रन्थेषु पुराणादिषु पाटलिपुत्रस्य नामान्तरं पुष्पपुरं कुसुमपुरं वा प्राप्यते । अनेन ज्ञायते यत् नगरस्यास्य समीपे पुष्पाणां बहुलमुत्पादनं भवति स्म । पाटलिपत्रमिति शब्दोऽपि पाटलपुष्पाणां पुत्तलिकारचनामाश्रित्य प्रचलितः । शरत्काले नगरेऽस्मिन् कौमुदीमहोत्सवः इति महान् समारोहः गुप्तवंशशासनकाले अतीव प्रचलितः । तत्र सर्वे जनाः आनन्दमग्नाः अभूवन् । सम्प्रति दुर्गापूजावसरे तादृशः एव समारोहः दृश्यते ।

कइयों प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों, पुराणों आदि में पाटलिपुत्र का बदलाव हुआ नाम पुष्पपुर या कुसुमपुर मिलते हैं। इससे ज्ञात होता है, कि इस नगर के समीप में फूलों का बहुत अधिक उत्पादन होता था। यह "पाटलिपुत्र" शब्द भी गुलाब फूलों के पंखुड़ियों का आश्रय लेकर प्रचलित हुआ। शरद काल में इस नगर में कौमुदी महोत्सव जैसा महान समारोह गुप्तवंश के शासनकाल में अत्यंत प्रचलित था। वहां सभी लोग आनंदमगन होते थे। आजकल दुर्गा पूजा के अवसर पर वैसा ही समारोह को देखे जाते हैं।

कालचक्रवशात् यद्यपि मध्यकाले पाटलिपुत्रं वर्षसहस्रपरिमितं जीर्णतामन्वभूत् । तस्य सङ्केतः अनेकेषु साहित्यग्रन्थेषु मुद्राराक्षसादिषु लभ्यते। मुगलवंशकाले अस्य नगरस्य समुद्धारो जातः । आंग्लशासनकाले च पाटलिपुत्रस्य सुतरां विकासो जातः । नगरमिदं मध्यकाले एव पटनेति नाम्ना

प्रसिद्धिमगात् । अयं च शब्दः पत्तनमिति शब्दात् निर्गतः । नगरस्य पालिका देवी पटनदेवीति अद्यापि पूज्यते ।

कालचक्र के वश से यद्यपि मध्यकाल में पटना लगभग हजार वर्ष जर्जर अवस्था में रहा। जिसका संकेत अनेक साहित्य ग्रन्थों, मुद्राराक्षस आदि नाटकों में मिलते हैं। मुगलवंश के समय में इस नगर के समुचित उद्धार हुआ। और अंग्रेजी शासन काल में पटना का और अधिक विकास हुआ यह नगर मध्यकाल में ही "पटना" इस नाम से प्रसिद्ध हुआ। और यह शब्द "पत्तनम्" शब्द से निकाला है। नगर की पालिका देवी पटन देवी आज भी पूजी जाती हैं।

सम्प्रति पाटलिपुत्रम् (पटना नाम नगरम्) अति विशालं वर्तते बिहारस्य राजधानी चास्ति । अनुदिनं नगरस्य विस्तारः भवति । अस्योत्तरस्यां दिशि गङ्गा नदी प्रवहति । तस्या उपरि गाँधीसेतुर्नाम एशियामहादेशस्य दीर्धतमः सेतुः किञ्च रेलयानसेतुरपि निर्मीयमानो वर्तते । नगरेऽस्मिन् उत्कृष्टः संग्रहालयः, उच्चन्यायालयः, सचिवालयः, गोलगृहम्, तारामण्डलम्, जैविकोद्यानम्, मौर्यकालिकः अवशेषः, महावीरमन्दिरम् - इत्येते दर्शनीयाः सन्ति । प्राचीनपटनानगरे सिखसम्प्रदायस्य पूजनीयं स्थलं दशमगुरोः गोविन्दसिंहस्य जन्मस्थानं गुरूद्वारेति नाम्ना प्रसिद्धं वर्तते । तत्र देशस्यास्य तीर्थयात्रिणः दर्शनार्थमायान्ति ।

इस समय पटना बहुत विशाल है और बिहार राज्य की राजधानी है। दिन-प्रतिदिन नगर का विस्तार होता है। इसके उत्तर दिशा में गंगा नदी बहती है। उसके ऊपर गांधी सेतु नामक एशिया महादेश के सबसे बड़ी सेतु (पुल) और कुछ रेलयान सेतु भी निर्माणाधीन हैं। इस नगर में उत्कृष्ट संग्रहालय, उच्चन्यायालय, सचिवालय, गोलघर, तारामंडल, जैविक उद्यान, मौर्यकालिक अवशेष, महावीर मंदिर इत्यादि दर्शन के योग्य हैं। प्राचीन पटना नगर में सिख संप्रदाय के पूजनीय स्थल दशम गुरु गोविंद सिंह के जन्म स्थान "गुरुद्वारा" इस नाम से प्रसिद्ध है। जहां इस देश के तीर्थयात्रियों दर्शन के लिए आते हैं।

एवं पाटलिपुत्रं प्राचीनकालात् अद्यावधि विभिन्नेषु क्षेत्रेषु वैभवं धारयति सर्वं च संकलितरूपेण संग्रहालये दर्शनीयमिति । पर्यटनमानचित्रे नगरमिदं महत्वपूर्णम् ।

इस प्रकार पटना प्राचीन काल से आज तक विभिन्न क्षेत्रों में वैभव धारण की हुई है और सभी संकलित रूप से संग्रहालय में दर्शनीय है। पर्यटन के मानचित्र पर यह नगर महत्वपूर्ण है।

1. प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में पाटलिपुत्र की ख्याति किस रूप में थी ?

उत्तर- प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में और पुराणों में पाटलिपुत्र का नाम पुष्पपुर या कुसुमपुर माना जाता है। इस नगर के समीप पाटल पुष्पों का उत्पादन होता था । सभवतः पाटलिपुत्र शब्द भी यहाँ पाटल पुष्पों के पल्लवित होने के कारण प्रचारित है । शरत काल में कौमुदी महोत्सव होता था। यह महोत्सव दुर्गापूजा के असवर-सा दृष्टिगत होता था।

2. पाटलिपुत्र नगर के वैभव का वर्णन करें।

उत्तर- पाटलिपुत्र प्राचीनकाल से ही अपनी वैभव परम्परा के लिए विख्यात रही है। विदेशी यानी लोग आकर अपने संस्मरणों में यहाँ की अनेक उत्कृष्ट सम्पदाओं का वर्णन किया है । मेगास्थनीज ने लिखा है कि चन्द्रगुप्तमौर्य काल में यहाँ की शोभा और रक्षा व्यवस्था अति उत्कृष्ट थी अशोक काल में यहाँ निरन्तर समृद्धि रही। कवि राजशेखर ने अपनी रचना काव्यमीमांसा में ऐसी ही बात लिखी है कि यहाँ बड़े-बड़े कवि-वैयाकरण-भाष्यकार यहाँ परीक्षित हुए। आज पाटलिपुत्र नगर 'पटना' नाम से जाना जाता है जहाँ संग्रहालय, गोलघर, जैविक उद्यान इत्यादि दर्शनीय स्थल हैं। इस प्रकार पाटलिपुत्र प्राचीनकाल से आज तक विभिन्न क्षेत्रों में वैभव धारण करता है जिसका संकलित रूप संग्रहालय में देखने योग्य है।

3. पाटलिपुत्रवैभवम् पाठ का पाँच वाक्यों में परिचय दें।

उत्तर- इसमें बिहार की राजधानी पटना के प्राचीन महत्त्व का निरूपण करने के साथ ऐतिहासिक परम्परा से आधुनिक राजधानी के प्रसिद्ध स्थलों का भी निरूपण किया गया है। इस पाठ को कण्ठाग्र करके छात्र किसी वाक्–प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं।

4.कवि दामोदर गुप्त के अनुसार पाटलिपुत्र कैसा नगर है ?

उत्तर- कवि दामोदर गुप्त के अनुसार पाटलिपुत्र (पटना) महानगर पृथ्वी पर बसे नगरों में श्रेष्ठ है। यहाँ सरस्वती के वंशज यानि विद्वान लोग वसते हैं। कवि ने इस महानगर की तुलना इन्द्र की भरी-पुरी नगरी से की है।

5. पाटलिपुत्र को शिक्षा का प्राचीन केंद्र क्यों माना जाता है ?

उत्तर- राजशेखर-रचित काव्यमीमांसा 'काव्य' से हमें जानकारी मिलती है कि पाटलिपुत्र शिक्षा का एक प्राचीन केंद्र था। यहाँ संस्कृत के अनेक विद्वान हुए । पाणिनी, पिङ्गल, वररुचि तथा पतञ्जलि की परीक्षा यहीं ली गई थी और यहीं उन्होंने ख्याति प्राप्त की थी।

6. चंद्रगुप्त मौर्य तथा अशोक के समय पाटलिपुत्र कैसा नगर था ?

उत्तर- चन्द्रगुप्त मौर्य के समय पाटलिपुत्र की रक्षा-व्यवस्था काफी मजबूत थी। यह सुंदर नगर था। अशोक के शासनकाल में इस नगर का वैभव और अधिक समृद्ध हुआ ।

7. पाटलिपुत्र के प्राचीन महोत्सव का वर्णन करें।

उत्तर- पाटलिपुत्र से शरतकाल में कौमुदी महोत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता था। सभी नगरवासी आनंदमग्न हो जाते थे। इस समारोह का विशेष प्रचलन गुप्तवंश के शासनकाल में था । आज़कल जिस तरह दुर्गापूजा मनाई जाती है, उसी प्रकार प्राचीनकाल में कौमुदी महोत्सव मनाया जाता था।

8. सिख संप्रदाय के लोगों के लिए पटना नगर क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

उत्तर- सिख संप्रदाय के लोगों के लिए प्राचीन पटना नगर में पूजनीय स्थल अवस्थित है। यहाँ उनके दसवें गुरु गोंविद सिंहजी का जन्म-स्थान है। यह स्थल गुरुद्वारा के नाम से जाना जाता है । देश-विदेश से सिख संप्रदाय के अलावा अन्य संप्रदाय के तीर्थयात्री भी यहाँ दर्शन के लिए आते हैं।

9. लेखक 'पाटलिपुत्र वैभवम्' पाठ से हमें क्या संदेश देना चाहते हैं ?

उत्तर- लेखक का कहना है कि प्राचीन काल में पाटलिपुत्र एक महान नगर था, जहाँ शिक्षा, वैभव और समृद्धि थी। मध्यकाल में इसकी स्थिति ठीक नहीं थी। मुगलकाल में इस नगर का पुनः उद्धार हुआ तथा अंग्रेजी के शासन काल से लेकर वर्तमान में इस नगर का अत्यधिक विकास हो रहा है।

10. प्राचीन पाटलिपुत्र में शिक्षा के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं ?

उत्तर- प्रस्तुत पाठ में लेखक ने बताया है कि दामोदर नामक कवि से हमें जानकारी मिलती है कि सरस्वती के वंशज यहाँ रहते थे । राजशेखर कवि के अनुसार पाणिनी, पिंगल, वररूचि आदि महान विद्वानों की परीक्षा यहाँ ली जाती थी। इससे ज्ञात होता है कि प्राचीन पाटलिपुत्र शिक्षा का एक महान केंद्र था।

11. लेखक के विचार में प्राचीन काल से आज तक पाटलिपुत्र किस प्रकार का नगर रहा है ?

उत्तर- लेखक के विचार से पाटलिपुत्र नगर प्राचीन काल से लेकर आज तक राजनैतिक, धार्मिक, औद्योगिक और शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में वैभव धारण करता रहा है और यहाँ इनका संकलित रूप से दर्शन किया जा सकता है। यहाँ के लोग कई उत्सव मनाते आए हैं। पाटलिपुत्रवासी पटनदेवी की पूजा करते हैं । पाटलिपुत्र एक महान नगर रहा है।

IMPORTANT OBJECTIVE QUESTION

1. पाटलिपुत्र पटना के नाम से कब से प्रसिद्ध हुआ?

(A) मुगलवंश काल में

(B) गुप्तवंश काल में

(C) मध्यकाल में

(D) अंग्रेजों के शासन काल में

Ans – (C)

2. किसने कहा पाटलिपुत्र की नगर शोभा देखने में प्रिय था?

(A) मेगास्थनीज

(B) फाह्यान

(C) बुद्ध

(D) अशोक

Ans – (A)

3. पटना का पुराना नाम क्या है?

(A) पुष्पपुर

(B) पटना साहिब

(C) पटना

(D) पर्वतपुर

Ans – (A)

4. मध्यकाल में पटना लगभग कितने वर्षों तक जीर्ण - शीर्ण रहा?

(A) 100

(B) 500

(C) 1000

(D) 700

Ans – (C)

5. पटना के उत्तर दिशा में कौन-सी नदी है?

(A) गंगा

(B) कोशी

(C) पुनपुन

(D) सोन

Ans – (A)

6. पाटलिपुत्र में कौन बार-बार आये थे?

(A) महावीर

(B) दशरथ

(C) भगवान बुद्ध

(D) अकबर

Ans – (C)

7. पटना नगर की पालिका देवी कौन हैं?

(A) शीतला देवी

(B) काली

(C) पटन देवी

(D) गौरी

Ans – (C)

8. पटना किस नदी के किनारे अवस्थित है

(A) यमुना

(B) सोन

(C) गंगा

(D) फल्गु

Ans – (C)

9. पटना में कौमुदी महोत्सव कब मनाया जाता था?

(A) गुप्त वंशकाल में

(B) मुगलवंश काल में

(C) अशोक के समय में

(D) अंग्रेजों के समय में

Ans – (A)

10. मेगास्थनीज पटना किसके समय में आया था?

(A) अशोक के समय में

(B) मुगलवंश काल में

(C) चन्द्रगुप्त मौर्य के समय में

(D) अंग्रेजों के समय में *Ans* (C)

11. 'पाटलपुष्पों की पुत्तलिका' रचना के आधार पर पटना का कौन-सा नाम है?

(A) पुष्पपुर

(C) पाटलिपुत्र

(B) कुसुमपुर

(D) पटना

Ans – (C)

12. बिहार की राजधानी कहाँ है?

(A) पटना

(B) भागलपुर

(C) गया

(D) वैशाली

Ans – (A)

13. कौमुदी महोत्सव किस अवसर पर दिखाई पड़ती है?

(A) छठ

(B) दुर्गापूजा

(C) वसंतपंचमी

(D) गणेशपूजा

Ans – (B)

14. किस नदी पर गाँधी सेतु सड़क मार्ग बना है?

(A) सोन

(B) गंगा

(D) गंडक

(C) यमुना

Ans – (B)

15. 'योगसूत्र' के रचनाकार कौन हैं?

(A) पाणिनि

(B) वररुचि

(C) पतंजली

(D) भास

Ans – (C)

16. शरत् काल में कौन-सा महोत्सव होता था?

(A) दुर्गापूजा

(B) सरस्वती पूजा

(C) गणेशोत्सव

(D) कौमुदी

Ans – (D)

17. कौमुदी महोत्सव किस वंश में प्रचलित था?

(A) राजवंश

(B) गुप्तवंश

(C) पुरु

(D) अशोक

Ans – (B)

18. व्याकरण के रचनाकार कौन हैं?

(A) पिंगल

(B) पाणिनी

(C) भास

(D) वररुचि

Ans – (B)

19. 'पटनदेवी' कहाँ अवस्थित है?

(A) वैशाली

(B) राजगृह

(C) नालंदा

(D) पटना

Ans – (B)

20. एशिया महादेश का लम्बा पुल (सेतु) कहाँ है?

(A) नालंदा

(B). दरभंगा

(C) पटना

(D) सीवान

Ans – (C)

21. 'गोलघर' कहाँ है?

(A) हाजीपुर

(B) नालंदा

(C) पटना

(D) वैशाली

Ans – (C)

22. गुरुगोविंद सिंह का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) पटना

(B) वैशाली

(C) नालंदा

(D) गया

Ans – (A)

23. मुगलकाल में किसका उद्धार हुआ?

(A) भोजपुर

(B) पाटलिपुत्र

(C) गया

(D) वैशाली

Ans – (B)

24. गोविंद सिंह सिख सम्प्रदाय के कौन से गुरु थे?

(A) 7 वें

(B) 8 वें

(C) 9 वें

(D) 10 वें

Ans – (D)

25. गाँधी सेतु कहाँ है?

(A) भागलपुर

(B) पाटलिपुत्र

(C) गया

(D) बक्सर *Ans*(B)

26. 'कुट्टनीमतम् काव्य के कवि कौन हैं

(A) राजशेखर:

(B) दामोदर गुप्तः

(C) विशाखदत्तः

(D) कालिदासः

Ans –(B)

27. यूनान का राजदूत कौन था?

(A) फाह्यान

(B) हुयेनसांग

(C) मेगास्थनीज

(D) इत्सिंग

Ans (C)

28. राजशेखर की रचना कौन-सी है?

(A) काव्यमीमांसा

(B) कुट्टनीमत

(C) मुद्राराक्षस

(D) यात्रा संस्मरण

Ans – (A)

29. कौमुदी महोत्सव किस ऋतु में मनाया जाता था?

(A) वसन्त ऋतु में

(B) वर्षा ऋतु में

(C) ग्रीष्म ऋतु में

(D) शरत ऋतु में

Ans – (D)

30. किसके समय में पाटलिपुत्र अधिक समृद्ध था?

(A) चन्द्रगुप्त

(B) अशोक

(C) बुद्ध

(D) मेगास्थनीज

Ans – (A)

31. अस्ति महीतलतिलकं ..... परिभूतपुरन्दरस्थानम ॥ कहाँ से लिया गया है?

(A) मंगलम्

(B) नीतिश्लोक

(C) पाटलिपुत्रवैभवम्

(D) अलसकथा *Ans* (C)

32. 'काव्यमीमांसा' के रचनाकार कौन हैं?

(A) मम्मट

(B) राजशेखर

(C) दामोदर गुप्त

(D) चाणक्य

Ans – (B)

33. प्राचीनकाल में शिक्षा का केंद्र कहाँ था?

(A) वैशाली

(B) तक्षशिला

(C) नालंदा

(D) पाटलिपुत्र

Ans – (D)

34. किस काल का शासन उत्कर्ष काल माना जाता है?

(A) अशोक

(B) मध्यकाल

(C) गुप्तकाल

(D) वर्तमानकाल *Ans* – (C)

35. दामोदर गुप्त ने किस काव्य की रचना किये हैं?

(A) काव्य मीमांशा

(B) कुट्टनीमतरणी

(C) गीता

(D) रामायण

Ans – (B)

36. विद्वानों ने पृथ्वी का तिलक किसे कहा है?

(A) वैशाली

(B) दिल्ली

(C) पालिए

(D) गया

Ans – (C)

37. 'इंद्रलोक' किस नगर को कहा गया है?

(A) गया

(B) वैशाली

(C) भागलपुर

(D) पाटलिपुत्र *Ans* – (D)

38. स्वर्ग से भी सुंदर कौन-सा स्थान है?

(A) पाटलिपुत्र

(B) दिल्ली

(C) बनारस

(D) वैशाली

Ans – (A)

39. गौतम बुद्ध के समय पटना का क्या नाम था?

(A) पाटलिपुत्र

(B) पटना

(C) पाटलिग्राम

(D) पुष्पपुर

Ans – (C)

40. भगवान बुद्ध भविष्य में किस नगर को महानगर बनेगा कहा?

(A) वैशाली

(B) राजगृह

(C) भागलपुर

(D) पाटलिपुत्र

Ans – (D)

41. सरस्वती का कुलगृह कौन-सा महानगर था?

(A) भागलपुर

(B) नालन्दा

(C) पाटलिपुत्र

(D) दरभंगा

Ans – (C)

42. एशिया महादेश का सबसे लम्बा पुल किस नदी पर बना है?

(A) यमुना

(B) गंगा

(C) ब्रह्मपुत्र

(D) सोन

Ans – (B)

43. 'मुद्राराक्षस' ग्रन्थ में किस शहर की प्राचीनता का संकेत है?

(A) मुजफ्फरपुर

(B) भागलपुर

(C) पाटलिपुत्र

(D) राँची

Ans – (C)

44. गुरुगोविन्द सिंह का जन्म स्थान किस नाम से प्रसिद्ध है?

(A) गुरुग्राम

(B) गुरुघर

(C) गुरगाँव

(D) गुरुद्वारा

Ans – (D)

45. किसके काल में पाटलिपुत्र की रक्षा-व्यवस्था उत्कृष्ट थी?

(A) चन्द्रगुप्त मौर्य

(B) समुद्रगुप्त

(C) कुमारगुप्त

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (A)

46. सिक्खों के दसवें गुरु कौन थे?

(A) गुरुनानक

(B) गुरु तेगबहादुर

(C) गुरु गोविन्द सिंह

(D) गुरु रामदास

Ans – (C)

47. पाटलिपुत्र किस प्रांत की राजधानी थी?

(A) बिहार

(B) केरल

(C) झारखंड

(D) पश्चिम बंगाल

Ans – (A)

48. 'पाटलिपुत्र वैभवम्' पाठ में किस शहर का वर्णन है?

(A) भागलपुर

(B) वाराणसी

(C) पटना

(D) इलाहाबाद

Ans – (C)

49. पटना का इतिहास कितना पुराना है?

(A) 200 वर्ष

(B) 2000 वर्ष

(C) 2500 वर्ष

(D) 1500 वर्ष

Ans – (C)

50. 'पटना' शब्द किस शब्द से बना है?

(A) पटनदेवी

(C) पत्तन

(B) पाटलि

(D) पाटन

Ans – (C)